ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 03 जुलाई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 90

दिल्ली में पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने के फैसले पर रेखा सरकार का यू-टर्न

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली: दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन देने पर बैन लगाने के फैसले पर दिल्ली सरकार ने यू-टर्न ले लिया है. सरकार का कहना है कि अभी इसे लागू करना जल्दबाजी होगा. दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) से अनुरोध किया है कि 1 जुलाई 2025 से लागू होने वाले आदेश संख्या 89 को तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए. इस आदेश के तहत दिल्ली में End-of-Life (EOL) यानी तय आयु सीमा पार कर चुके वाहनों को ईंधन देने पर रोक लगाई जानी थी.

दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा की ओर से आयोग को भेजे गए पत्र में कहा है;''जो ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए गए हैं, वे मज़बूत सिस्टम नहीं हैं. उनमें अभी भी कई चुनौतियां हैं. तकनीकी गड़बड़ियां, सेंसर का काम न करना और स्पीकर का खराब होना, ये सभी चुनौतियां हैं. इसे अभी तक एनसीआर डेटा के साथ एकीकृत नहीं किया गया है. यह एचएसआरपी प्लेटों की पहचान करने में सक्षम नहीं है. पड़ोसी राज्यों के डाटाबेस से भी इसका समन्वय नहीं हुआ है.'' पर्यावरण मंत्री ने ये भी कहा कि इस कदम से लोगों में असंतोष है. बता दें कि इससे पहले, दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने कहा था कि दिल्ली में करीब 400 पेट्रोल पंप हैं. एक पेट्रोल पंप को पूरा कवर करने के लिए संचालक द्वारा 13 से 15 कैमरे लगवाने पड़ते हैं. दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग की तरफ से सिर्फ एक कैमरा लगाया गया है. इससे कैसे संभव है कि सभी वाहनों की नंबर प्लेट को रीड किया जा सकता है.

निश्चल सिंघानिया ने कहा कि दूसरी समस्या ये भी है कि कई पेट्रोल पंपों के जिस लोकेशन पर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की ओर से कैमरे लगाए गए हैं. वह सिर्फ ईंधन लेकर निकलने के बाद ही वाहन की नंबर प्लेट को रीड कर पाएंगे. ऐसे में व्यवस्था फेल हो सकती है. ऐसे में कार्रवाई पेट्रोल पंप के संचालन पर हो सकती है. इस व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने के लिए काफी सुधार की जरूर है. यदि किसी को दिल्ली में पेट्रोल नहीं मिल रहा है तो वह नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद व दिल्ली से सटे अन्य राज्य के पेट्रोल पंप पर भी पेट्रोल डलवा सकता है.

बता दें कि दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने 1 जुलाई से प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल व 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों को ईंधन देने पर प्रतिबंध लगा दिया था. परिवहन विभाग और यातायात पुलिस प्रतिबंध लागू होने के बाद ईंधन भरने के लिए पेट्रोल पंपों पर पहुंचने वाले वाहनों (ईएलवी) को जब्त कर रही है.

PM मोदी बोले- भारत में लोकतंत्र सिस्टम नहीं, संस्कार है:हम दुनिया के लिए शक्ति स्तम्भ, घाना में नेशनल अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात

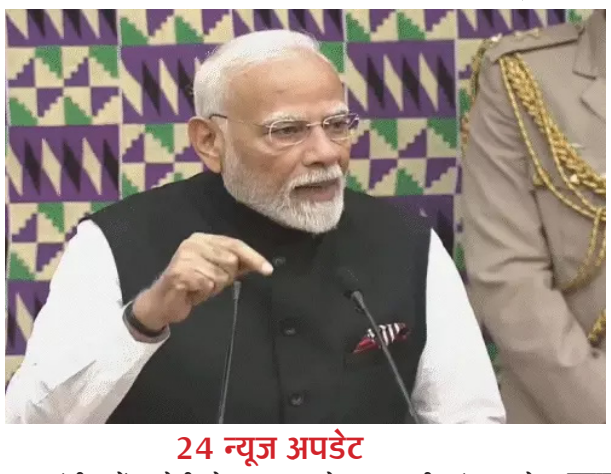

24 न्यूज अपडेट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है। यह लोकतंत्र की भावना से भरी हुई धरती है। घाना पूरे अफ्रीका के लिए प्रेरणा का केंद्र है।'

मोदी ने कहा, 'भारत लोकतंत्र की जननी है। यह हमारे लिए एक सिस्टम नहीं, बल्कि संस्कार है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत दुनिया के लिए शक्ति का स्तंभ है। एक मजबूत भारत एक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा।'

PM मोदी ने कहा, 'घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा से कल नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से, मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारी दोस्ती आपके मशहूर शुगर लोफ अनानास से भी मीठी है।'

PM मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक विदेश यात्रा पर हैं। इस दौरान वे 5 देशों में जाएंगे। घाना उनका पहला पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को घाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' दिया गया था। दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते (MoU) भी साइन किए।

घाना G20 का स्थायी सदस्य बना। यह भारत की प्रेसीडेंसी में मुमकिन हुआ। भारत की फिलॉसिफी ह्यूमैनिटी फर्स्ट है। हम सभी के खुश रहने में यकीन रखते हैं। हमें घाना में एक ऐसा देश दिखाई देता है, जो साहस के साथ हर चुनौती का बहादुरी से सामना करता है।

भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, मूलभूत मूल्यों का हिस्सा है। भारत में 2,500 से ज्यादा राजनीतिक दल, अलग-अलग राज्यों में 20 अलग-अलग पार्टियों की सरकारें, 22 आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं।

हम एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अफ्रीका के डेवलपमेंट फ्रेमवर्क का समर्थन करते हैं। साथ मिलकर, हम वादों और तरक्की से भरे भविष्य को आकार देंगे।

दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसे नए और जटिल संकटों का भी सामना कर रही है। पिछली सदी में बनाए गए संस्थान जवाब देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की जरूरत है।

अमरनाथ में पहली आरती हुई, जम्मू से दूसरा जत्था रवाना:38 दिन बाद रक्षाबंधन को समापन होगा; अब तक 3.5 लाख श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन

24 न्यूज अपडेट

आज से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। गुरुवार सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई। वहीं, पहला जत्था बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान श्रद्धालु 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे लगाते रहे। पहले जत्थे में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे भी तीर्थयात्रियों के साथ शामिल थीं।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था गुरुवार को जम्मू के आधार शिविर से रवाना हुआ, जो दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। दूसरे जत्थे को सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना किया जाएगा।

बुधवार को 5,892 श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को जम्मू के भगवती नगर कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

पुणे- घर में घुसकर इंजीनियर से रेप करने वाला गिरफ्तार:डिलीवरी बॉय बनकर आया, लड़की के फोन से सेल्फी ली; मैसेज छोड़ा- मैं फिर आऊंगा

24 न्यूज अपडेट

पुणे में एक 22 साल की टेक्निकल इंजीनियर से घर में घुसकर रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी कूरियर बॉय बनकर आया था। घटना बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे कोंढवा पुलिस थाने के अंतर्गत हुई।

वह बैंक का लिफाफा देने के बहाने फ्लैट में घुसा। जब महिला कूरियर के लिए पिन लेने घर के अंदर गई, तो आरोपी ने दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ रेप किया।

हमले के दौरान महिला बेहोश हो गई और कई घंटों तक बेहोश रही। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि आरोपी ने उस पर कोई कैमिकल स्प्रे किया था या नहीं।

पुणे पुलिस ने आरोपी का पता लगाने और उसे कड़ने के लिए 10 टीमें बनाईं।, जिनमें से 5 क्राइम ब्रांच की और5 लोकल टीमें रहीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की।

हालांकि दोपहर बाद मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। और उससे पूछताछ जारी है।

रेप के बाद लड़की के फोन से सेल्फी ली, मैसेज लिखा- मैं फिर आऊंगा

आरोपी ने पीड़ित के फोन पर एक सेल्फी भी ली, जिसमें उसकी पीठ और थोड़ा सा चेहरा दिखाई दे रहा था। उसने फोन पर एक मैसेज छोड़ा, जिसमें उसने लड़की को चेतावनी दी थी कि वह इसके बारे में किसी को न बताए क्योंकि उसके पास लड़की की तस्वीरें हैं, वह उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। उसने यह भी लिखा- मैं फिर आऊंगा।

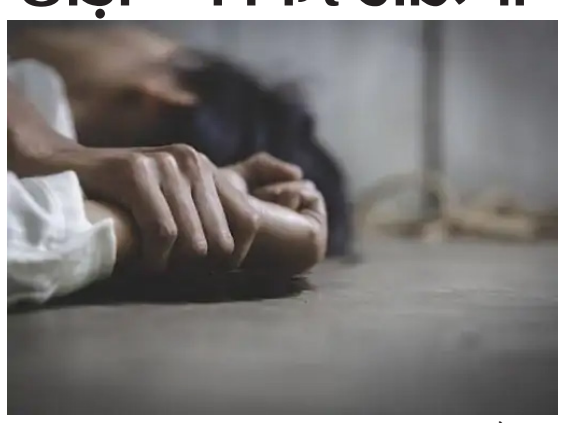

भाई बाहर गया था, घर पर अकेली थी आईटी इंजीनियर

जोन 5 पुणे सिटी डीसीपी राजकुमार शिंदे ने कहा कि लड़की ने पुणे के ही एक कॉलेज से आईटी की पढ़ाई की है। वह एक निजी फर्म में काम करती है। बुधवार शाम वह अपने अपार्टमेंट में अकेली थी क्योंकि उसका भाई शहर से बाहर गया हुआ था।

शिंदे ने बताया कि लड़की को कुछ भी याद नहीं है क्योंकि उसे रात करीब 8.30 बजे होश आया। फिर उसने अपने रिश्तेदारों को इसकी सूचना दी और बाद में पुलिस को बताया। पीड़ित को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया, फिर मामला दर्ज किया गया।

कुंभलगढ़ किले में मोहर्रम जुलूस को लेकर विवाद, हिंदू संघर्ष समिति का विरोध

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। कुंभलगढ़ किले में 6 जुलाई को मोहर्रम का जुलूस निकालने की अनुमति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इसको लेकर हिंदू संघर्ष समिति ने गुरुवार को बाजार बंद कर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और जुलूस पर रोक लगाने की मांग की। हिंदू संघर्ष समिति के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग बस स्टैंड पर एकत्र हुए और कुंभलगढ़ किले की ओर बढ़ने लगे। एहतियातन 200 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। समिति के सदस्य रजनीश शर्मा ने कहा कि पुरातत्व विभाग के नियमानुसार शाम 5 बजे के बाद किले में प्रवेश वर्जित है। हनुमान जयंती और महाराणा प्रताप जयंती पर भी आयोजन के लिए अनुमति ली जाती है, तो फिर ताजियों के लिए छूट क्यों? हिंदू संघर्ष समिति ने अनिश्चितकाल के लिए कुंभलगढ़ बंद की घोषणा की है। 5 जुलाई को बड़ी संख्या में लोग किले में एकत्र होने का ऐलान किया गया है। सुबह 6 से 8 और शाम 6 से 8 बजे केवल जरूरी सामान की दुकानें खुलेंगी। मौके पर पहुंचे कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि गलती पुरातत्व विभाग की है। प्रशासन प्रयास कर रहा है। इससे पहले भी केलवाड़ा में मोहर्रम रूट बदला गया था। पुलिस और प्रशासन मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मीशो 4,250 करोड़ का IPO लाएगी:SEBI के पास ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट्स फाइल किए; अक्टूबर तक लिस्ट हो सकती है कंपनी

24 न्यूज अपडेट

डोमेक्सिट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो अक्टूबर तक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO लाएंगी। कंपनी इसके जरिए करीब 4,250 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने गुरुवार को SEBI के पास ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट्स फाइल किए हैं।

दो राउंड में करीब 4,705 करोड़ फंडिंग ले चुकी है मीशो

कंपनी टोटल 50 मिलियन डॉलर (करीब 4705 करोड़ रुपए) का फंडिंग उठा चुकी है। इसी साल की शुरुआत में मीशो ने टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे निवेशकों से लगभग $250-$270 मिलियन (करीब 2300 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया था। तब कंपनी की वैल्यूएशन $3.9-4 बिलियन डॉलर (करीब 34,242 करोड़ रुपए) रहा।

एक साल में 97% कम हुआ मीशो का लॉस

वित्त वर्ष 2023-24 में मीशो ने 7,615 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया। यह पिछली वित्त वर्ष के मुकाबले 33% ज्यादा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 5,735 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। इस दौरान कंपनी का नेट लॉस 97% घटकर 1,569 करोड़ रुपए से 53 करोड़ रुपए पर आ गया।

2024 के आखिर में मीशो प्लेटफॉर्म के ऑर्डर में सालाना आधार पर 35% बढ़ोतरी हुई। कंपनी के प्लेटफॉर्म से 17.5 करोड़ ग्राहकों ने शॉपिंग की। इसके आधे से ज्यादा ग्राहक टियर-4 और छोटे शहरों से आए।

आज सोने में गिरावट, चांदी महंगी हुई:सोने का दाम 143 गिरकर 97337 पर आया, चांदी 932 महंगी होकर 1.08 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने के दाम में आज यानी 3 जुलाई को मामूली गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 143 कम होकर 97,337 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 97,480 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 932 बढ़कर 1,07,620 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,688 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,239 पर बंद:निफ्टी भी 48 अंक लुढ़का; रियल्टी और बैंकिंग शेयर्स 1% गिरे, ऑटो और फार्मा में तेजी रही

पिछले हफ्ते 1651 अंक चढ़ा था बाजार

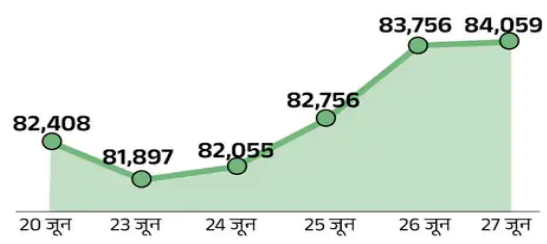

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 3 जुलाई को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,239 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 48 अंक की गिरावट रही, ये 25,405 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 गिरकर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स में गिरावट रही। मारुति, इंफोसिस और NTPC में खरीदारी रही।

निफ्टी के 50 में से 32 शेयरों में गिरावट और 17 में तेजी रही। जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। NSE के मेटल, रियल्टी और सरकारी बैंकिंग शेयरों में 1% तक गिरावट रही। मीडिया, FMCG, ऑटो और फार्मा शेयरों में उछाल रही।

संपादकीय : आतंक के विरुद्ध

आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है। परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को बल मिला है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। वैसे संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकियों को वैश्विक सूची में शामिल किया है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि सब कुछ जानते हुए हाल ही में पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष किस आधार बनाया गया ? अब क्वाड में शामिल देशों अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और अपने दायित्वों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी संबंधित प्राधिकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। इतना ही नहीं, क्वाड ने अपने संदेश में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का भी दृढ़तापूर्वक समर्थन किया है। इस संदेश में भले ही पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया गया, लेकिन आतंकवाद का पालन-पोषण कौन करता है, यह पहले से जगजाहिर है। ऐसे में वैश्विक समुदाय को चाहिए कि इस मुद्दे पर वह एकजुट होकर ठोस और कड़े कदम उठाए, ताकि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जा सके ।

आफत के बादल

हिमाचल प्रदेश पर इन दिनों कुदरत की मार पड़ रही है। बादल फटने की घटनाओं से मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। कई पहाड़ी इलाके भी चपेट में आए हैं। एक तरफ नदियां उफन रही हैं, तो दूसरी तरफ जमीन धंसने से खतरा बढ़ा है। मंगलवार देर रात मंडी जिले में बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। दस लोगों की असमय मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता हैं। यह हादसा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गांवों में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कुछ बह गए। राज्य में एक दिन में बादल फटने की ग्यारह घटनाएं हुईं, जिनमें सबसे अधिक मंडी जिले में दर्ज की गईं। यह दुखद है कि मानसून के बादल हिमाचल प्रदेश के लोगों पर आफत बनकर बरसे हैं। अगर समय पूर्व चेतावनी देने के तंत्र की माकूल व्यवस्था की गई होती तो शायद जान-माल का इतना नुकसान नहीं होता। वैसे बादल फटना कोई सामान्य मौसमी घटना नहीं है। जलवायु परिवर्तन की वजह से ऐसी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है । मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते मौसम के मिजाज को समझने की जरूरत है। बचाव के क्या रास्ते हो सकते हैं, इस पर विचार करना होगा। यह जलवायु संकट का ही परिणाम है कि अब पहाड़ों पर भी गर्मी पड़ रही है और मानसून में बादल फटने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी बढ़ने और गर्म हवा के तेजी से ऊपर उठने के कारण बादल फट रहे हैं और तबाही मचा रहे हैं। ऐसे में चट्टानें, मिट्टी और पेड़ बहते हुए जब नीचे की ओर तेजी से आते हैं. तो रास्ते में आने वाली हर चीज को भारी नुकसान पहुंचाते हैं । कृषि भूमि तो बर्बाद होती ही है, सड़कें और पुल भी ध्वस्त हो जाते हैं और जानी नुकसान भी होता है। हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बार-बार बादल फटने की घटनाएं एक गंभीर चेतावनी है, जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी उदयपुर के भाजपा नेता को डबल झटका, हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक से राहत देने से किया इनकार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। दुष्कर्म के प्रयास और जान से मारने की धमकी जैसे संगीन आरोपों का सामना कर रहे उदयपुर के चर्चित भाजपा नेता को राजस्थान हाईकोर्ट से आज बहुत बड़ा झटका लगा है। नेता की ओर से एफआईआर क्वैश करने की अर्जी पर सुनवाई के दौरान माननीय हाईकोर्ट ने नेताजी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए फिलहाल राहत देने से साफ इनकार किया है। आरोपी पक्ष के वकील के आग्रह पर अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होगी, जिसमें अदालत केस डायरी का अवलोकन कर निर्णय लेगी।

हाईकोर्ट में सुनवाई, अंतरिम राहत पर रोक

इस पूरे प्रकरण में भाजपा नेता की ओर से अंतरिम राहत के लिए एफआईआर को ही क्वैश करने की मांग करते हुए याचिका दायर की गई थी, जिस पर बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पीड़िता की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पारीक ने कोर्ट में कहा कि यह स्पष्ट रूप से महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और जबरन संबंध बनाने का मामला है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया कि आरोपी को अंतरिम राहत न दी जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और पुलिस की ओर से आज पेश की गई तथ्यात्मक रिपोर्ट देखी। तथ्यात्मक रिपोर्ट को देखने के बाद कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ मामला बनता है और इस स्थिति में अंतरिम राहत नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, आरोपी पक्ष के वकीलों ने कोर्ट से आग्रह किया कि केस डायरी का अवलोकन कर ही अंतिम निर्णय लिया जाए। इस पर कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 11 जुलाई तय की है, जिस दिन केस डायरी देखकर अंतरिम राहत याचिका पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

क्या है पूरा मामला?

घटना से जुड़े दोनों मामले घंटाघर थाना क्षेत्र के हैं। पीड़िता, जो स्वयं भाजपा की सक्रिय महिला नेता हैं, उन्होंने 5 जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक भाजपा नेता, जो उनके पति का परिचित है, कई महीनों से उन्हें मोबाइल पर आपत्तिजनक संदेश भेज रहा था। धीरे-धीरे वह शारीरिक संबंध के लिए दबाव बनाने लगा। पीड़िता के अनुसार, 5 जून को आरोपी नेता जबरन उनके घर में घुसा और दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के शोर मचाने पर घर के अन्य सदस्य वहां आ पहुंचे, जिससे आरोपी मौके से भाग गया। इसके अगले दिन, 6 जून को पीड़िता के पति ने एक और रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया कि आरोपी की पत्नी और अन्य कुछ लोग उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। यह भी कहा गया कि उन्हें भाजपा नेता ने भेजा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी भाग निकले। इन दोनों शिकायतों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता पक्ष की ओर से यह आपत्ति जताई गई कि आरोपी को कोई अंतरिम राहत न दी जाए।

पार्टी पर भी आ रही आंच

इस बहुचर्चित मामले में अब पार्टी पर भी सवाल उठने लगे हैं कि पार्टी स्तर पर आखिर दुष्कर्म के आरोप के मामले में क्या निर्णायक व ठोस कार्रवाई की गई। इस मामले में पुलिस की भी कलई तब खुलकर सामने आ गई जब थानाधिकारी पर दबाव और इस्तीफे जैसी बातें सामने आईं। हालांकि बाद में पूरे मामले को आईजी स्तर पर मैनेज कर लिया गया। बताया जा रहा है कि भाजपा में अंदरखाने इस मामले में दो धड़े बन गए है जो एक दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। लेकिन कथित अनुशासन और उपरी दबाव के चलते असंतोष अभी सोशल मीडिया तक ही सीमित है। गत दिनों कांग्रेस की ओर से इस मुद्दे पर व महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा पर कई आरोप लगाए गए थे।

पति की हत्या की मास्टरमाइंड निकली पत्नीः बॉयफ्रेंड को दी लोकेशन, खर्चे के लिए भेजे 28 हजार रुपए, 600 में खरीदा गंडासा

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 3 जुलाई। राजसमंद में 8 दिन पहले प्रतापपुरा पुलिया पर गर्दन कटी हालत में मिली युवक की लाश की गुत्थी बुधवार को सुलझ गई। इस सनसनीखेज हत्याकांड की साजिश खुद मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके प्रेमी और दो साथियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हत्या की यह वारदात 24 जून को सामने आई थी, जब दोपहर करीब 1 बजे कांकरोली से कुछ दूरी पर प्रतापपुरा पुलिया पर शेर सिंह (35) पुत्र जोध सिंह राजपूत निवासी खाखरमाला, थाना आमेट का शव लहूलुहान हालत में मिला था। युवक की गर्दन बेरहमी से काट दी गई थी। मौके से उसकी बाइक बरामद हुई थी। एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए थे।

पत्नी और प्रेमी स्कूल समय से थे रिलेशन में

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक शेर सिंह की पत्नी प्रमोद कंवर (30) और आरोपी राम सिंह (33) के बीच स्कूल समय से प्रेम संबंध थे। प्रमोद की शादी 2013 में शेर सिंह से हुई थी। वह उसे लेकर चेन्नई चली गई थी, जहां शेर सिंह प्राइवेट बस में कंडक्टर था। वर्ष 2018 में दोनों राजसमंद लौट आए, जिसके बाद प्रमोद और राम सिंह दोबारा मिलने लगे। पति बना रिश्ते में बाधा, रची हत्या की साजिश पुलिस के अनुसार, प्रमोद कंवर अपने पति शेर सिंह को प्रेम संबंधों में बाधा मानती थी। उसने राम सिंह को पति की हत्या के लिए उकसाया। जब राम सिंह ने आर्थिक तंगी जताई, तो प्रमोद ने उसे ऑनलाइन 28 हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद राम सिंह ने 600 रुपए में एक गंडासा खरीदा और अपने दो साथियों दुर्गाप्रसाद मेघवाल (25) और शौकीन कुमार भील (32) के साथ हत्या की योजना बनाई। कार से टक्कर के बाद गंडासे से ताबड़तोड़ वार हत्या वाले दिन शेर सिंह अपनी बाइक से बाड़मेर की ओर निकला था। प्रमोद कंवर घर से राम सिंह को पति की लोकेशन लगातार अपडेट करती रही। कांकरोली के पास जब शेर सिंह पुलिया पर पहुंचा, तो शौकीन ने कार से उसकी बाइक को टक्कर मारी। जब शेर सिंह गिरा और जीवित रहा, तो राम सिंह ने कार से गंडासा निकाल कर ताबड़तोड़ वार किए और गर्दन काट डाली। पहले पकड़े गए थे दो साथी, फिर माउंट आबू से पकड़ा गया प्रेमी कांकरोली थाना प्रभारी हंसराम ने बताया कि इस हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 25 जून को दुर्गाप्रसाद और शौकीन को पकड़ा गया था। इसके बाद 30 जून को मुख्य आरोपी राम सिंह को माउंट आबू से गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के आधार पर बुधवार को प्रमोद कंवर को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी प्रेमी ने कबूला अपराध

पूछताछ में राम सिंह ने बताया कि हत्या की योजना प्रमोद के कहने पर बनाई गई थी। उसने 28 हजार रुपए भेजे थे। हत्या के बाद वे भाग निकले थे और अलग-अलग जगहों पर छिपते रहे। राजसमंद पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन में की गई इस गंभीर हत्या की तहकीकात में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामला अब कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा।

उदयपुरः देबारी हाईवे पर दवाओं से भरा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला, 1 घंटे तक लगा रहा जाम, चालक को आई मामूली चोट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। शहर के देबारी स्थित नेशनल हाईवे पर हनुमान मंदिर के सामने गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब दवाओं के खोखों से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में चालक को मामूली चोट आई है, जबकि ट्रक के पलटते ही उसमें लदी दवाओं के खोखे सड़क पर इधर-उधर बिखर गए। गनीमत यह रही कि हादसे के समय ट्रक के पीछे कोई वाहन नहीं था, वरना जान-माल की बड़ी क्षति हो सकती थी।

ढलान पर उतरते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक उदयपुर से चित्तौड़गढ़ की ओर जा रहा था। देबारी में हनुमान मंदिर के पास स्थित ढलान पर उतरते ही ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटते ही ट्रक में लदे दवाओं के खोखे एक के बाद एक सड़क पर गिरते चले गए, जिससे सड़क पर अव्यवस्था फैल गई और ट्रैफिक ठहर गया।

पुलिस ने पहुंचकर किया ट्रैफिक बहाल

सूचना मिलते ही प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। तुरंत क्रेन मंगवाकर ट्रक को सड़क के किनारे हटाया गया, जिसके बाद ही लगभग 1 घंटे बाद यातायात बहाल हो सका। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर एकत्र हो गई। हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ट्रक और दवाओं को हटवाया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है और चालक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ट्रक में लदी दवाओं को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया।

शिल्पग्राम में पोवाड़ा और राठवा नृत्य लुभा रहे है पर्यटकों को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा शिल्पग्राम परिसर में कालबेलिया, मांगणियार, राठवा, पोवाड़ा एवं कठपुतली नृत्य प्रदर्शित किए जा रहे है जिसे देशी एवं विदेशी सैलानी इसका लुत्फ उठा रहे है। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फ़ुरकान खान ने बताया कि शिल्पग्राम परिसर में शिल्पदर्शन कार्यक्रम में राजस्थान से कालबेलिया, मांगणियार और कठपुतली, महाराष्ट्र से पोवाडा, गुजरात से राठवा नृत्य का प्रदर्शन किया जा रहा है। शिल्पग्राम परिसर प्रतिदिन सुबह 11 बजे से सायं 7 बजे तक पर्यटकों के लिए खुला रहता है। उल्लेखनीय है कि शिल्पग्राम परिसर में वर्षभर चलने वाले शिल्पदर्शन कार्यक्रम के लिए सदस्य राज्यों से 15-15 दिनों के अंतराल पर विभिन्न कलाकारों एवं शिल्पकारों को आमंत्रित किया जाता है जिससे पर्यटक उनकी कला को देख व उनके बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके। कला एवं शिल्प का प्रदर्शन करने वाले विभिन्न समूह नियमित रूप से यहां आते हैं तथा अपने प्रदर्शन से शिल्पग्राम को जीवंत रखते है। शिल्पग्राम में सदस्य राज्यों की 31 झोपड़ियां बनी हुई है। साथ ही शिल्पग्राम म्यूजियम व विभिन्न शिल्पकारों के उत्पाद भी पर्यटकों को देखने को मिलते है जिसकी खरीददारी भी की जा सकती है।

राज्य होटल प्रबन्ध संस्थान, उदयपुर में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार के अधीनस्थ राज्य होटल प्रबन्ध संस्थान, उदयपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु हॉस्पिटेलिटी एवं होटल एडमिनिस्ट्रेशन में बी.एस.सी. और डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। संस्था प्रधान ने बताया कि बी.एस.सी. इन हॉस्पिटेलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन (3 वर्षीय डिग्री कोर्स) में प्रवेश हेतु आवदेन 10 जुलाई तक आवेदन किये जा सकते हैं। उक्त कोर्स में प्रवेश हेतु पात्रता में मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वी और 12वी (अंग्रेजी विषय सहित) उत्तीर्ण हो, इसमें प्रवेश हेतु कोई आयु सीमा नहीं है। वहीं आरक्षण सरकारी नियमों के अनुसार लागू होगा। इसी प्रकार डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में फ़ूड प्रोडक्शन (किचन), फ़ूड एंड बेवरेज सर्विस,फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन, हाउसकीपिंग ऑपरेशन आदि में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इसमें प्रवेश हेतु पात्रता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वी और 12वी (अंग्रेजी विषय सहित) उत्तीर्ण है, प्रवेश हेतु कोई आयु सीमा नहीं है एवं आरक्षण सरकारी नियमानुसार लागू होगा। संस्था प्रधान ने बताया की जनजाति उपयोजना के अंतर्गत आने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में संपर्क कर सकते है अथवा वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

शेख ने न.पा.अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सम्भाला

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सागवाड़ा (जयदीप जोशी) नगर पालिका में गुरुवार को अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार मोहम्मद सुहैल शेख ने विधिवत रूप से सम्भाला। वर्तमान में शेख बांसवाड़ा नगर परिषद में कर निर्धारक के पद पर कार्यरत हैं, साथ ही वहां पर सचिव के दायित्व का कार्य भी देख रहे हैं। अब उन्हें सागवाड़ा नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय प्रशासनिक कारणों से लिया गया है। आदेशानुसार, शेख को अग्रिम आदेशों तक उनके वर्तमान कार्यों के साथ-साथ सागवाड़ा नगर पालिका का अधिशासी अधिकारी का कार्य भी देखने के लिए अधिकृत किया गया है। उन्हें इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिनका न.पा. पहुचने पर न.पा.अध्यक्ष आशीष गांधी ने पगडी पहनाकर स्वागत किया व शुभकामनाए दी गई। इस अवसर पर पार्षद हरीश सोमपुरा ने पार्षदो का परिचाय कराया।

स्वायत शासन विभाग ने जारी की स्वीकृति

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सागवाड़ा (जयदीप जोशी)नगर पालिका क्षेत्र में विधायक शंकरलाल डेचा के सार्थक प्रयासों से नगर की जनता को मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत अजमेर विधुत वितरण निगम लिमिटेड सागवाडा कार्यालय को नए 33/11 के वी जीएसएस की स्वीकृति जारी की गई हे। जिसमे उक्त भूमि पटेलवाडा नई आबादी खसरा नंबर 2199 किस्म मगरी में से 2500 वर्ग मीटर भूमि, भूमि आवंटन निति 2015 के तहत पालिका द्वारा मंडल में अनुमोदन कर राज्य सरकार को भिजवा दी थी जिस पर स्वायत शासन विभाग द्वारा भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई। न.पा.अध्यक्ष आशीष गाँधी ने बताया की भूमि आवंटन होने से नए 33/11 जीएसएस के कार्य को गति मिलेगी जिससे क्षेत्रवासियो मे हर्ष की लहर है।

नाबालिग लडकी गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सागवाड़ा (जयदीप जोशी) नगर के निकट्वर्ती 13 वर्षीय बालिका घर से बिना बताये गुमशुदा होने की पिता ने कराई रिपोर्ट दर्ज। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया की निकट्वर्ती निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देते हुए बताया की दिनाक 1 जुलाई को दिन में करीब 12 बजे मेरी 13 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताये कही चली गई जिसकी आस-पडौस व रिश्तेदारी में तलाश की लेकीन कोई पता नही लगा। पुत्री नाबालिंग होकर कक्षा सात पढी लिखी है। अनुसंधान एसआई लक्ष्मीलाल के जिम्मे कीया गया।

ऑपरेशन स्माईल के तहत ट्रांसजेंडर अधिकारों पर कार्यशाला आयोजित, समाज की मुख्यधारा से ट्रांसजेंडर को जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी – एएसपी रतनू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। राजस्थान पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन स्माईल" अभियान के अंतर्गत ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के संरक्षण और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने को लेकर एक महत्वपूर्ण रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को विद्या भवन ऑडिटोरियम, फतहपुरा, उदयपुर में किया गया। यह कार्यक्रम उदयपुर रेंज पुलिस एवं यूनिसेफ राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

पुलिस अधिकारियों को किया गया संवेदनशील

कार्यशाला में ट्रांसजेंडर समुदाय की समस्याओं के समाधान हेतु थाना स्तर पर नियुक्त नोडल पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील बनाने, उन्हें ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की जानकारी देने और समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हर्ष रतनू ने कहा, "ट्रांसजेंडर समुदाय को सम्मान और समानता देना हम सबका दायित्व है। उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए पुलिस महकमा गंभीरता से कार्य कर रहा है।" उन्होंने नोडल अधिकारियों को अधिनियम के गहन अध्ययन व अनुपालन के निर्देश भी दिए। मुख्य प्रशिक्षक का मार्गदर्शन नई भौर संस्था की निदेशक पुष्पा माई ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में पुलिस अधिकारियों को ट्रांसजेंडर कानूनों, व्यवहार संहिता एवं राज्य सरकार द्वारा इस वर्ग के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा, "ट्रांसजेंडर समुदाय को विशेष सुविधाएं और सम्मान मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं।" मानसिक स्वास्थ्य पर भी जोर गीतांजली मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सक डॉ. जीतेन्द्र जीनगर ने मानसिक स्वास्थ्य को मूलभूत अधिकार बताते हुए अवसाद, तनाव और मानसिक समस्याओं से निपटने के उपाय बताए। उन्होंने हेल्पलाइन 14416 का उपयोग करने का सुझाव भी दिया। यूनिसेफ की संभागीय सलाहकार श्रीमती सिन्धु बिनुजीत ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए पुलिस अधिकारियों से आग्रह किया कि थाने में आने वाले किसी भी लिंग/समुदाय के व्यक्ति के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय और पुलिस के बीच विश्वास और समन्वय स्थापित करने के लिए इस तरह की कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

कानूनी जानकारी और योजनाएं साझा की गईं समाज कल्याण विभाग के परामर्शदाता अमित भट्ट ने ट्रांसजेंडर के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, पेंशन योजना, छात्रवृत्ति, स्माईल योजना, गरिमा गृह, मनोवैज्ञानिक सहायता, और कल्याण बोर्ड से संबंधित सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव और समस्याएं खुलकर साझा कीं। चित्तौड़गढ़ के एएसपी मुकेश सांखला ने पोक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों से नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही, वहीं डीएसपी चेतना भाठी ने इस वर्ग को "अर्द्धनारीश्वर" बताते हुए कहा कि इनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण और संवेदनशीलता परम आवश्यक है। इस कार्यशाला में सलूंबर, प्रतापगढ़ सहित पूरे रेंज से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। आईजी कार्यालय से राजेन्द्र सिंह, पुलिसिंग फॉर केयर कार्यक्रम से दिलीप सालवी, सुनील व्यास, चाइल्डलाइन, नोडल अधिकारी और ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप वर्मा द्वारा किया गया।

थोक सीमेंट परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिः कंटेनरों में लोडिंग की सुविधा के साथ शुरू हुई बल्क सीमेंट मूवमेंट

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/मेलचेरुवु/बैंगलोर। भारत में थोक सीमेंट परिवहन अब एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। कॉनकॉर (कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) ने पहली बार विशेष टैंक कंटेनरों के माध्यम से लूज (खुली) सीमेंट मूवमेंट की सुविधा शुरू करके सीमेंट लॉजिस्टिक्स की तस्वीर बदल दी है। यह पहल पारंपरिक बैग परिवहन प्रणाली पर निर्भरता को कम करने और लॉजिस्टिक्स को अधिक टिकाऊ, सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है। मेलचेरुवु से व्हाइटफील्ड तक सफल मूवमेंट की शुरुआत कॉनकॉर ने आंध्र प्रदेश के मेलचेरुवु स्थित माई होम सीमेंट साइडिंग (एमएमएचएम) से कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित कॉनकॉर आईसीडी व्हाइटफील्ड तक इन विशेष टैंक कंटेनरों के माध्यम से थोक सीमेंट की वास्तविक समय में आवाजाही सफलतापूर्वक शुरू कर दी है।

भारतीय रेलवे की हरित और नवोन्मेषी लॉजिस्टिक्स की दिशा में अग्रसरता

यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा देश के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों को हरित, बहुविध और नवाचारपूर्ण लॉजिस्टिक्स समाधान उपलब्ध कराने के प्रयासों का एक और मील का पत्थर है। टैंक कंटेनरों के प्रयोग से न केवल सीमेंट कंपनियों की परिचालन दक्षता में इजाफा होगा, बल्कि यह प्रणाली कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी लाएगी।

पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी समाधान

ये टैंक कंटेनर विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि रेल नेटवर्क के माध्यम से थोक सीमेंट का कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण हितैषी परिवहन संभव हो सके। इससे बैग आधारित सिस्टम में होने वाले नुकसान, समय और श्रम की बचत भी सुनिश्चित होती है।

कॉनकॉर की प्रतिबद्धताः आधुनिक और जिम्मेदार लॉजिस्टिक्स की ओर कॉनकॉर ने अपनी मजबूत बुनियादी संरचना और मल्टीमॉडल क्षमताओं का लाभ उठाते हुए उद्योगों को आधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने की दिशा में यह नई पहल की है। कंपनी का लक्ष्य किफायती, टिकाऊ और दीर्घकालिक रूप से प्रभावी लॉजिस्टिक्स प्रणाली को बढ़ावा देना है, जो देश के हरित लॉजिस्टिक्स मिशन के भी अनुरूप है।

चीन ने भारत को दिया सप्लाई शॉक, भारत की iPhone मैन्युफैक्चरिंग पर असर, सप्लाई चेन पर बढ़ा दबाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग रणनीति को उस समय झटका लगा, जब चीन ने आईफोन उत्पादन में जरूरी मशीनों और कलपुर्जों की सप्लाई पर रोक लगा दी। इसके साथ ही, भारत में काम कर रहे फॉक्सकॉन के 300 से अधिक चीनी इंजीनियरों और तकनीशियनों को भी चीन वापस बुला लिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की प्रगति को धीमा करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं।

चाइनीज इंजीनियर्स की वापसी से उत्पादन धीमा होने की आशंका

सूत्रों के अनुसार, भले ही चीनी कर्मचारियों की संख्या कुल कार्यबल का 1% से भी कम है, लेकिन वे उत्पादन नियंत्रण और गुणवत्ता प्रबंधन जैसे अहम क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके अचानक लौटने से फैक्ट्रियों की कार्य गति प्रभावित हो सकती है। उद्योग जगत इसे चीन की ओर से "टिट-फॉर-टैट" रणनीति मान रहा है, खासतौर पर ऐसे समय में जब चीनी नागरिकों को भारत में बिजनेस वीज़ा मिलने में लगातार दिक्कतें सामने आ रही हैं। पहले भी की थी चीन ने सप्लाई रोकने की कोशिश यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारत की औद्योगिक प्रगति को रोकने की कोशिश की है। इससे पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई पर भी चीन ने प्रतिबंध लगाया था। इन हालातों में उद्योग से जुड़ी संस्थाएं केंद्र सरकार को इस स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट भेजने की तैयारी कर रही हैं। भारत बना ग्लोबल iPhone प्रोडक्शन का नया केंद्र चीन के साथ जारी खींचतान के बीच भारत ने पिछले चार वर्षों में आईफोन उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की है। 2024 में भारत से कुल 14 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन्स का उत्पादन हुआ, जिसमें से 70% का निर्यात किया गया। जनवरी से मई 2025 के बीच भारत ने अमेरिका को 4.4 अरब डॉलर के आईफोन्स एक्सपोर्ट किए। अब एपल के ग्लोबल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 25% हो गई है। एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है, खासकर कोविड लॉकडाउन और व्यापारिक विवादों जैसे अनुभवों के बाद। भारत को कंपनी एक स्थिर, कम जोखिम वाला विकल्प मान रही है। यहां श्रम लागत भी कम है और सरकार की PLI (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाएं कंपनियों को आकर्षित कर रही हैं। साथ ही, भारत के बढ़ते स्मार्टफोन बाजार से एपल को घरेलू मांग पूरी करने और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिल रही है।

ट्रंप की आलोचना और चीन से चुनौती

हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में फैक्ट्रियां लगाने की आलोचना की थी और कहा कि अमेरिकी ग्राहकों के लिए प्रोडक्ट अमेरिका में ही बनना चाहिए। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में आईफोन असेंबली की लागत अधिक होने से वहां प्रोडक्शन व्यावहारिक नहीं है। वहीं, यदि चीन अपने इंजीनियरों को अमेरिका भेजने से रोकता है, तो एपल की घरेलू उत्पादन योजना और जटिल हो सकती है। फॉक्सकॉन और टाटा जैसे एपल के भारतीय पार्टनर अब अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर तकनीकी रिक्तता को भरने में जुट गए हैं। कर्नाटक में 2.7 अरब डॉलर की लागत से नया प्लांट तैयार किया जा रहा है, जिससे उत्पादन को स्थायित्व मिलने की उम्मीद है। हालांकि चीन के लगातार अवरोध पैदा करने से भारत की मैन्युफैक्चरिंग यात्रा में अनिश्चितता बनी हुई है।

वर्क बुक वितरण के साथ खेमली शैक्षिक ब्लॉक कार्यालय का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

मावली। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत नवगठित शैक्षिक ब्लॉक खेमली का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वर्क बुक वितरण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ, जिसमें खेमली ब्लॉक के विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री सौंपी गई। राज्य सरकार द्वारा खेमली को शैक्षिक ब्लॉक का दर्जा दिए जाने के बाद, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ), समग्र शिक्षा, खेमली का अतिरिक्त प्रभार प्रमोद कुमार सुथार को सौंपा गया है। ब्लॉक कार्यालय में दिए दिशा-निर्देश बुधवार दोपहर बाद जिला शिक्षा कार्यालय से खेमली ब्लॉक अंतर्गत समस्त राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वर्क बुक्स प्राप्त हुईं, जिन्हें गुरुवार को संबंधित विद्यालयों को वितरित किया गया। इस अवसर पर सीबीईओ प्रमोद कुमार सुथार ने खेमली ब्लॉक कार्यालय में उपस्थित रहकर शिक्षा विभाग के कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। 24 पीईईओ में से 4 क्षेत्र को वितरित हुईं वर्क बुक्स गुरुवार को खेमली ब्लॉक के 24 पीईईओ में से नऊवा, रख्यावल, मांगथला व खेमली पीईईओ क्षेत्र के प्रभारी या प्रतिनिधियों को वर्क बुक्स वितरित की गईं। इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक, भामाशाह, ग्रामीण महिलाएं-पुरुष, और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रा.उ.मा. विद्यालय खेमली में पं. दीनदयाल उपाध्याय शिविर का आयोजन

कार्यक्रम के तहत गुरुवार को खेमली गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिविर का आयोजन भी किया गया। इस शिविर में क्षेत्रीय प्रशासनिक एवं शैक्षिक अधिकारी, समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी पुनाड़िया, तहसीलदार जीवन सिंह राव, विकास अधिकारी मावली शैलेन्द्र पी. खिंची, अतिरिक्त सीबीईओ प्रकाश चंद्र चौधरी, प्रशासक तुलसीबाई डांगी, समाजसेवी देवीलाल डांगी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयन्त खंडेलवाल, पीईईओ खेमली गोविंदलाल सुथार, जितेश सैन, रवि सालवी, वर्क बुक वितरणकर्ता कैलाश प्रजापत सहित विद्यालय स्टाफ व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उदयपुर सर्राफा बाजारः सोने में गिरावट, चांदी में आंशिक उतार-चढ़ाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सर्राफा बाजार में बीते चार दिनों के भीतर सोने की कीमतों में गिरावट का रुझान देखा गया है, जबकि चांदी में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सर्राफा एसोसिएशन द्वारा जारी भावों के अनुसार 3 जुलाई को सोने की सभी कैटेगरी के भाव घटे हैं, वहीं चांदी की दरों में हल्का परिवर्तन दर्ज किया गया। 30 जून को चांदी टंच का भाव 1,05,700 रुपए प्रति किलो था, जो 2 जुलाई तक बढ़कर 1,07,300 रुपए हो गया। हालांकि 3 जुलाई को यह कीमत घटकर 1,06,800 रुपए रह गई। इसी तरह चांदी चौरसा का भाव 30 जून को 1,05,000 था, जो बढ़ते-बढ़ते 2 जुलाई को 1,06,500 तक पहुंचा और अब फिर घटकर 1,06,000 पर आ गया है। चांदी की दरों में यह उतार-चढ़ाव हल्का लेकिन लगातार बना हुआ है। सोने के दामों की बात करें तो बीते चार दिनों में इसके भाव में गिरावट की स्पष्ट प्रवृत्ति दिखाई दी। 30 जून को स्टैंडर्ड (999) शुद्धता वाला सोना 97,700 रुपए प्रति दस ग्राम था, जो 1 जुलाई को बढ़कर 98,700 रुपए हुआ, लेकिन इसके बाद से इसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया और 3 जुलाई को यह 98,300 रुपए तक नीचे आ गया। इसी प्रकार जेवराती सोना (23 कैरेट) 30 जून को 93,790 रुपए था, जो अब घटकर 94,370 रुपए पर पहुंच गया है। 22 कैरेट सोने की दरों में भी लगातार कमी देखी गई है। 30 जून को यह 89,890 रुपए था, जो 3 जुलाई को गिरकर 90,435 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। पिछले चार दिनों में सोने की कीमतों में करीब 400 से 500 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की कीमतों और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कीमती धातुओं की कीमतों पर सीधा पड़ता है। आने वाले दिनों में इन भावों में और बदलाव संभव हैं। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे सोने-चांदी की खरीद से पहले ताजा दरों की जानकारी अवश्य लें।

पशुओं को इम्यूनिटी बूस्टर एवं 30 ग्राम नमक खाने में मिलाकर देने की सलाह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर में वर्ष 2025-26 का सातवां त्रिदिवसीय आवासीय पशुपालक प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण में प्रतापगढ़, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले के चयनित 30 पशुपालकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर संस्थान के उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने कहा कि वर्षा के मौसम में उगे विषैले पौधों से पशुपालक अपने पशुओं को अवश्य बचाएं। डॉ. छंगाणी ने बताया कि इस मौसम में हरे चारे के साथ विषैले पौधे उग जाते है जिनकों खाने से पशुओं में पॉईजनिंग हो जाती हैं अतः इन विषैले पौधों की पहचान कर पशु चारे से इनको पृथक कर पशुओं को पॉईजनिंग से बचायें। बदलते हुये मौसम एवं वर्षा की स्थिति को देखते हुये अपने पशुओं की विशेष देखभाल करनी चाहिये। डॉ. छंगाणी के अनुसार इस मौसम में पशुओं के हरा चारा अधिक खाने से या खरपतवार के साथ कई जहरीले पौधे उगने से वो पशु के खाने में आने से पशुओं में आफरा, अपच, दस्त, पेचिस जैसे रोग होने की संभावना रहती है। पशुपालकों को चाहिए कि हरे चारे के साथ सुखा चारा भी पशुओं को अवश्य खिलायें। संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. पदमा मील ने कहा कि मानसून में मक्खी, मच्छर एवं कीड़े मकोड़ों का प्रकोप बढ़ जाता है जिससे डरमेटाईटिस एवं रक्त परजिवी रोग पशुओं में होने की संभावना बढ़ जाती है। पशुओं को मक्खी, मच्छरों से बचाये रखने के लिए पशु आवास कों सूखा एवं साफ-सूथरा रखें। इस मौसम में पशुओं को साफ- सूथरा पानी उपलब्ध कराने के साथ-साथ इम्यूनिटी बूस्टर एवं 30 ग्राम नमक खाने में मिलाकर देवें। संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश साहू ने बताया कि पशुओं को गीली जगह पर बंधे रहने से फूटरोग होने की संभावना बढ़ जाती है अतः समय समय पर फीनायल अथवा डिटॉल का पौछा लगवातें रहें। इस मौसम में पशुओं को बिजली के खंभों से भी नही बांधना चाहिये अन्यथा पशु हानि होने का खतरा बना रहता है। प्रशिक्षण में डॉ. हंस कुमार जैन, डॉ. लज्जराम मीणा, डॉ. सुरेन्द्र छगाणी, डॉ. केदार वैष्णव, डॉ. पदमा मील, डॉ. ओमप्रकाश साहू, स्वप्निल भावसार, चन्द्रशेखर गुर्जर ने विभिन्न विषय वस्तुओं पर प्रशिक्षण दिया।

बड़ी मार्ग पर सड़क निर्माण के कारण यातायात व्यवस्था में बदलाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। उदयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से बड़ी मुख्य सड़क पर झील दर्शन वाटिका से रस्म रिसोर्ट तक बड़ी शिल्पग्राम जंक्शन पर सड़क निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस कारण उक्त रोड़ पर निर्माण कार्य के दौरान वाहनों का आवागमन बाधित रहेगा। सड़क निर्माण कार्य के दौरान फतहपुरा से बड़ी जाने के लिए देवाली नहर से महाराणा प्रताप गौरव केन्द्र टाईगर हिल होते हुए बड़ी रोड़ पर वाहनों का आवागमन रहेगा तथा बड़ी से फतहपुरा जाने के लिए टाईगर हिल तिराहा से महाराणा प्रताप गौरव केन्द्र होते हुए देवाली नहर से फतहपुरा रोड़ पर वाहनों का आवागमन रहेगा।

अतिक्रमण हटे, मोबाइल टावर के लिए भूमि आवंटन का प्रस्ताव तैयार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चल रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत जिलेभर में शिविर आयोजित हो रहे हैं। इनमें बरसों से लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है और ग्रामीणों को योजनाओं का त्वरित लाभ मिल रहा है। शिविरों के दौरान आई अतिक्रमण की शिकायतों पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सवाना गांव में श्मशान और चारागाह भूमि से जेसीबी की मदद से अवैध कब्जे हटवाए। 4जी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा का रास्ता साफ बड़गांव पंचायत समिति की ग्राम पंचायत धार में ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क न मिलने की समस्या उठाई। विधायक फूलसिंह मीणा की पहल पर प्रशासन ने मौके पर 4जी बीएसएनएल टावर के लिए भूमि चयन कर प्रस्ताव तैयार कर आवंटन हेतु भेज दिया। ग्रामीणों ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कोटड़ा क्षेत्र के ढेडमारिया शिविर का निरीक्षण कर ग्रामीणों को लाभ वितरण किया और पौधारोपण किया। गिर्वा, कुराबड़, बड़गांव, मावली, घासा, वल्लभनगर, भीण्डर, गोगुन्दा, सायरा, झाड़ोल, फलासिया, खेरवाड़ा, नयागांव, ऋषभदेव और कोटड़ा के विभिन्न गांवों में शुक्रवार को शिविर आयोजित होंगे।

आयड़ फाइल्स : नेताओं के पौधों को मिला सपोर्ट, सामान्य पौधे आधे झुक कर लड़ रहे जिंदगी की जंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की आयड़ नदी में परसों वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों का आज हमारी टीम ने अवलोकन किया तो दिलचस्प बात सामने आई। एक रोड़ का खर्चा करके जो पौधारोपण किया जा रहा है। उसमें भी दो तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं। एक तो सपोर्ट के दम पर खड़े होने वाले पौधे तो दूसरी तरह के वो हैं जिनके पास सिस्टम का कोई सपोर्ट नहीं है। याने कि कॉमन मैन वाले पौधे। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंदजी कटारिया की उपस्थिति में आरंभ हुए इस अभियान की हकीकत वास्वत में वैसी ही है जैसी कि आजकल दिखाई देती है। याने कि राजनीति और ब्यूरोक्रेसी अलग दुनिया में जीती है और आम आदमी अलग दुनिया में। अब जरा गौर से देखते हैं। ये हैं नेताओं के लगाए हुए पेड़, अफसरों के लगाए हुए पेड़। आज तीसरे दिन भी ये सीना तान कर खड़े हुए हैं। इन पेड़ों को भी पता है कि इनको किसी खास वीआईपी ने लगाया है। इनको सहारा देने के लिए बकायदा बांस की खपच्चियां इनकी रीढ़ की हड्डी पर बांधी गई है। ये देखिये कैसे सीधे खड़े हुए इठला रहे हैं ये पौधे। इनके आस-पास बकायदा नेम प्लेट भी लगी हुई है जिस पढ़कर जाना जा सकता है कि इस पौधे के पीछे किस राजनेता, जन प्रतिनिधि या फिर बड़े अफसर का पावर है। अब हम थोड़ा सा आगे बढ़ते हैं। इस पौधे को देखिये, ये तो पहले ही मरियल होकर गिरने की कगार पर आ रहा है। सिस्टम ने इसको कोई सपोर्ट नहीं दिया है। बेचारे की रीढ़ की हड्डी झुकी जा रही है क्योंकि उस पर बांस की खपच्ची नहीं बांधी गई है। इसके आस‘-पास कोई नेम प्लेट नहीं है। शायद इसको नेम प्लेट नहीं होने से सिस्टम का सपोर्ट नहीं मिल पाया है। ये भी किसी के नाम का होता तो यह दुर्दशा नहीं हुई होती। ये दो प्रकार के पौधे और ये दोहरा बर्ताव साफ बता रहा है कि हमारे जन प्रतिनिधि और अफसर केवल एक दूसरे की खुशामद में ही व्यस्त हैं। इनका एक ही मंत्र है कि किसी भी तरह से बॉस मैनेजमेंट हो जाए। जनता को तो कभी भी मैनेज कर लेंगे। अब सवाल यह उठता है कि जिस अभियान के शुरूआत में ही यह सब हो रहा है तो उसका अंजाम क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। शहरवासी तो दो टूक बात अभी से कहने लगे हैं कि पहले के 85 करोड़ की तरह क्या यह पैसा भी पानी में बहाने की तैयारी हो रही है। क्या गारंटी है कि नदी में पानी इन पौधों तक नहीं आएगा। या फिर कहीं इन पौधों को भी बचाने के लिए इनके चारों तरफ जालियां तो नहीं लगा दी जाएंगी। ताकि बाद में दावा किया जा सके कि पानी आया और जालियों की वजह से पौधे बच गए। बहरहाल, इस मामले में एक और बात गौर करने लायक ये है कि आखिर किस आदेश पर नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के नाम की तख्तियां लगाई गईं। मौके पर हर तख्ती के जो सौ-सौ रूपए लिए गए वो आदेश कब सार्वजनिक हुआ। यदि हुआ होता तो शहर के आम आदमी को भी केवल सौ रूपए में आयड़ में अपने नाम का पौधा लगाने का मौका मिलता। क्योंकि मौके पर तो उन लोगों के नामों की भी तख्ती लगी है जो कार्यक्रम में थे ही नहीं। उनको यह प्रिविलेज कौनसी विंडो पर सौ रूपए जमा करवा कर मिला यह चर्चा का विषय है। अब हम बताते हैं कि पौधों को लेकर पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने शुभारंभ समारोह में किस प्रकार से चुटकी ली थी-

सीआईएसएफ महिला अधिकारी गीता सामोता को राज्यपाल कटारिया ने एवरेस्ट फतह करने वाली सौंपा राष्ट्रपति प्रशंसा पत्र

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह आयोजित एक समारोह में सीआईएसएफ में तैनात महिला उप निरीक्षक गीता सामोता को माउंट एवरेस्ट फतह करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। यह प्रशंसा पत्र पंजाब एवं हरियाणा के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने उन्हें सौंपा। राज्यपाल ने समारोह में गीता सामोता को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके साहसिक कार्य की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे ही प्रदर्शन की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर उदयपुर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी उप कमांडेंट सुभाष सामोता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर वार सिंह, सहायक कमांडेंट कमल राकेश सिंह, दीपक बोल्या, एयरपोर्ट अथॉरिटी, एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइंस के अधिकारी तथा सीआईएसएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि गीता सामोता माउंट एवरेस्ट पर पहुंचने वाली सीआईएसएफ की पहली महिला अधिकारी हैं। वर्तमान में वे उदयपुर एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ में पदस्थ हैं।

“द साइबर फोर्ट्रेसः सिक्योरिंग सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा “द साइबर फोर्ट्रेसः सिक्योरिंग सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों और उससे निपटने के उपायों पर केंद्रित था। प्रारंभिक सत्र में प्रो. मंजू माण्डोत का स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू माण्डोत के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी अतिथियों का परिचय कराया और डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर सुरक्षा की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा – “आज के युग में साइबर सुरक्षा सिर्फ तकनीकी जानकारों के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिक के लिए भी आवश्यक हो गई है। व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा की सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी बन चुकी है।” प्रमुख वक्ताओं द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान कार्यशाला में दो प्रमुख विशेषज्ञों – डॉ. अरुण वैष्णव और श्री बृजेश कुमार शर्मा – ने अपने विचार साझा किए। डॉ. अरुण वैष्णव ने नेटवर्क और सिस्टम सुरक्षा के मूल सिद्धांतों, सुरक्षा प्रोटोकॉल्स, एन्क्रिप्शन तकनीकों, और जोखिम प्रबंधन पर तकनीकी विवेचन किया। उन्होंने सुरक्षित डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में छात्रों को जागरूक किया। वहीं, श्री बृजेश कुमार शर्मा ने साइबर अपराध के व्यवहारिक परिदृश्यों को उजागर करते हुए लाइव डेमो के माध्यम से हैकिंग के वास्तविक तरीके और उनसे बचाव की रणनीतियों को प्रस्तुत किया। उनके सत्र में छात्रों की गहन भागीदारी और जिज्ञासु संवाद देखने को मिला।

संकाय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान

इस कार्यशाला को सफल बनाने में विभाग के संकाय सदस्य डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. भरत सुखवाल और डॉ. दिलीप चौधरी ने समन्वयक के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संचालन, व्यवस्थापन और तकनीकी समन्वय में इनकी सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही। कार्यक्रम में मुकेश नाथ, दुर्गाशंकर, मनोज यादव, डॉ. रीना मेनारिया, त्रिभुवन सिंह बमनिया, चिराग दवे सहित अनेक शिक्षकगण एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर विभाग ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञ वक्ताओं, समन्वयकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक और तकनीकी रूप से सशक्त कार्यशालाओं के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई।

कर्बला की शहादत की याद में निकला छड़ियों का जुलूस, ताजिए और आलम के साथ शहरभर में उमड़ा श्रद्धा और संवेदना का सैलाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इस्लामिक माह मुहर्रम की शुरुआत के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में दी गई शहादत की याद में गुरुवार को शहर में पारंपरिक छड़ियों का जुलूस निकाला गया। यह आयोजन हर वर्ष की भांति इस बार भी पूरी श्रद्धा, संयम और सामाजिक सौहार्द के साथ सम्पन्न हुआ। छड़ियों के इस जुलूस की शुरुआत सुबह 9:30 बजे चमनपुरा स्थित जामा मस्जिद से हुई, जहां से यह जुलूस शहर के प्रमुख मुस्लिम क्षेत्रों से गुजरता हुआ दोपहर में चेतक सर्कल स्थित पलटन मस्जिद पहुंचकर सम्पन्न हुआ। जुलूस में अनेक मोहल्लों के ताजिए और आलम हुए शामिल शहर के विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों – जैसे अलीपुरा, रहमान कॉलोनी, धोली बावड़ी, अमलकांटा, खेरादीवाड़ा, मोचीवाड़ा, नागानगरी, दरखानवाड़ी, कारवाड़ी आदि – से आए ताजिए की छड़ियां और आलम जुलूस में शामिल हुए। ये सभी प्रतीक कर्बला के महान बलिदान को श्रद्धा और संवेदना से याद करने के प्रतीक हैं। यह रहा जुलूस का मार्ग चमनपुरा जामा मस्जिद चेतक सर्कल अलीपुरा रहमान कॉलोनी देहलीगेट धोली बावड़ी काली बावड़ी सूरजपोल अमलकांटा इस्लामपुरा सिंधी सरकार की हवेली नायकवाड़ी खेरादीवाड़ा अंजुमन चौक कोठियों की गवाड़ी कुंजर वाड़ी भड़भुजा घाटी मोची वाड़ा बड़ा बाजार घंटाघर जगदीश चौक नावघाट पांडु वाड़ी नागानगरी कल्लेसात महावत वाड़ी काजीवाड़ा दरखानवाड़ी कारवाड़ी सिलावट वाड़ी हाथीपोल चेतक सर्कल (पलटन मस्जिद)। हर उम्र के लोग हुए शामिल जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन, बुजुर्ग, युवा, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। सभी ने पूरे अनुशासन, आदर और भक्ति भाव से हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद किया। जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई थी। सभी मार्गों पर यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रूप से संचालित किया गया। पूरा आयोजन शांति, अनुशासन और साम्प्रदायिक सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कमेटी की ओर से समन्वय और सेवाएं इस अवसर पर आयोजन समिति और विभिन्न मुस्लिम समाज संगठनों ने मिलकर जुलूस की व्यवस्था और समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई। कमेटी प्रतिनिधि शाहनवाज खान ने बताया कि “कर्बला की शहादत हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े रहने, सत्य के लिए बलिदान देने और इंसानियत की राह पर चलने की प्रेरणा देती है।”

लायन्स क्लब उदयपुर लेकसिटी ने गौशाला में किया दवाई और चारा वितरण, जीव दया का दिया संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 जुलाई। लायन्स क्लब उदयपुर लेकसिटी ने गुरुवार को जीव दया की भावना के तहत ‘अपना घर गौशाला’, परशुराम चौराहा में बीमार व घायल गायों के लिए दवाइयों, चारे और पशु आहार का वितरण किया। इस सेवा कार्य में क्लब सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और गौसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर लायन डॉ. अनुभा शर्मा ने बताया कि अपना घर गौशाला उन गायों के लिए एक आश्रय स्थल है जो बीमार होती हैं, दुर्घटनाग्रस्त हो जाती हैं या नालों में गिर जाती हैं। इन गायों को वहां लाकर तब तक उपचार किया जाता है जब तक वे पूर्णतः स्वस्थ न हो जाएं। लायन कैलाश मेनारिया ने जानकारी दी कि गौशाला ने लम्पी वायरस महामारी के दौरान भी हजारों गायों का निःशुल्क इलाज कर उन्हें पुनः उनके मूल स्थानों पर छोड़ा है। यह सेवा अभियान आज भी निरंतर जारी है। इस पुनीत सेवा कार्य में डॉ. बी.एस. बम्ब, प्रमोद चौधरी, मधु चौधरी, एस.एल. भदादा, कान्ता भदादा, लेकसिटी लायन्स चैरिटेबल ट्रस्ट और क्लब के संचालन मंडल का विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर के.जी. मुंदड़ा, नरेन्द्र शर्मा, स्वाति कानुकोलन, अनिल भट्ट, विभा भट्ट सहित कई सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मिलकर गौसेवा को समर्पित इस कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही।

भीलवाड़ा में तेज बारिश से तीन हादसे, तीन की जान गई, एक लापता

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिले में बीते 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बुधवार को शहर सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में तेज बारिश हुई, जिससे जलभराव और बहाव वाले क्षेत्रों में हादसे सामने आए। अलग-अलग जगहों पर तीन लोग पानी में बह गए, जिनमें से दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक की तलाश अभी जारी है।

बरूंदनी गांव में किसान की तालाब में डूबने से मौत

बड़लियास थाना क्षेत्र के बरूंदनी गांव में खेत से लौट रहा एक किसान पानी के तेज बहाव में बहकर तालाब में जा गिरा। ग्रामीणों की सूचना पर SDRF टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया और एक घंटे की तलाश के बाद उसका शव बरामद किया। मृतक की पहचान 45 वर्षीय गोपाल कुमावत के रूप में हुई है।

बनास नदी में मजदूर बहा, झाड़ियों से लटक कर बचाव की कोशिश की लेकिन असफल

काछोला थाना क्षेत्र में चोहली गांव के पास एक मजदूर बनास नदी की उफनती रपट पार करते समय बह गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मजदूर कुछ देर तक झाड़ियों से चिपका रहा और बचाव के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन बहाव तेज होने और रेस्क्यू टीम समय पर नहीं पहुंचने से उसका संतुलन बिगड़ गया। उसकी पहचान शंकर भील (55) के रूप में हुई है। गुरुवार दोपहर तक उसकी तलाश जारी थी।

शहर में नाले में गिरा सफाईकर्मी, सुबह मिला शव

शास्त्रीनगर क्षेत्र में बुधवार रात नगर निगम का सफाईकर्मी शिवचरण गौरण घर लौटते समय बारिश के पानी से भरे नाले में गिर गया। रात को सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह SDRF को उसका शव नाले से बरामद हुआ। परिजनों ने प्रशासन पर देर से रेस्क्यू शुरू करने का आरोप लगाते हुए मुआवजे और नौकरी की मांग की। प्रशासन की ओर से आश्वासन के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई।

इस्कॉन कोवे ने सांसदों को दिया नंदोत्सव का निमंत्रण, शोभागपुरा में होगा भव्य आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इस्कॉन कोवे, चिरवा मोहनपुरा की ओर से निर्माणाधीन गंधर्विका गोवर्धनधारी मंदिर के तत्वावधान में इस बार जन्माष्टमी के दूसरे दिन भव्य नंदोत्सव आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह नंदोत्सव 17 अगस्त को सायंकाल ओकेजन गार्डन, 100 फीट रोड, शोभागपुरा में आयोजित किया जाएगा। प्रोजेक्ट डायरेक्टर मदन गोविंद प्रभु ने बताया कि इस भव्य आयोजन में कीर्तन, कथा, अभिषेक, गोवर्धन परिक्रमा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तावित है। आयोजन को विशिष्ट बनाने हेतु जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण देने का क्रम भी आरंभ कर दिया गया है। इसी क्रम में समिति चेयरमैन रवि बर्मन के नेतृत्व में चित्तौड़गढ़ सांसद चंद्र प्रकाश जोशी, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत तथा राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया से भेंट कर उन्हें मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। तीनों सांसदों ने सहर्ष कार्यक्रम में सम्मिलित होने की स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर प्रभु राहुल बर्मन, प्रभु ओम कुमावत, प्रभु भगवतीलाल मेनारिया भी उपस्थित रहे। सांसदों को गंधर्विका गोवर्धनधारी भगवान की सुंदर तस्वीर एवं भगवद्गीता भी भेंट की गई। मदन गोविंद दास एवं डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि नंदोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तगणों की उपस्थिति अपेक्षित है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण होगा, बल्कि सामाजिक समरसता का भी संदेश देगा।

06 जोडी रेलसेवाओं में बढाये द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बे

24 न्यूज अपडेट

रेलवे द्वारा गोवर्धन परिक्रमा मेला एवं मथुरा में गुरू पुर्णिमा मेले के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु 06 जोडी रेलसेवाओं में द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

1. गाडी संख्या 20489/20490, बाडमेर-मथुरा-बाडमेर रेलसेवा में बाडमेर से दिनांक 05.07.25 से 12.07.25 तक एवं मथुरा से दिनांक 06.07.25 से 13.07.25 तक 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की गई है।

2. गाडी संख्या 20487/20488, बाडमेर-दिल्ली-बाडमेर रेलसेवा में बाडमेर से दिनांक 07.07.25 व 10.07.25 को एवं दिल्ली से दिनांक 08.07.25 व 11.07.25 को 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की गई है

3. गाडी संख्या 14725/14726, भिवानी-मथुरा-भिवानी रेलसेवा में भिवानी से दिनांक 05.07.25 से 12.07.25 तक एवं मथुरा से दिनांक 06.07.25 से 13.07.25 तक 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की गई है।

4. गाडी संख्या 54794/54793, मथुरा-सवाईमाधोपुर-मथुरा रेलसेवा में मथुरा से दिनांक 05.07.25 से 12.07.25 तक एवं मथुरा से दिनांक 06.07.25 से 13.07.25 तक 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की गई है।

5. गाडी संख्या 14795/14796, भिवानी-कालका-भिवानी रेलसेवा में दिनांक 07.07.25 से 14.07.25 तक 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

6. गाडी संख्या 14705/14706, भिवानी-ढेहर का बालाजी-भिवानी रेलसेवा में दिनांक 08.07.25 से 15.07.25 तक 02 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।